Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding railway land usages in Bhavnagar district of Gujarat.

डॉ. भारतीबेन डी. श्याल (भावनगर): धन्यवाद अध्यक्ष महोदय । मैं भावनगर से आती हूं । भावनगर के प्रजावत्सल महाराज ने आजादी से पहले भावनगर और ग्रामीण क्षेत्र को लोगों को रेलवे की सुविधा मिले, इसके लिए उन्होंने खुद रेलवे लाइन बिछवाई थी तथा सबसे पहले हमारे सौराष्ट्र जोन में रेल चालू की थी । लेकिन, समय के साथ ये सारी रेलवे लाइन्स बंद हो चुकी हैं । बहुत सारे रेलवे स्टेशन्स अभी भी भावनगर सिटी एवं डिस्ट्रिक्ट के अंदर मौजूद हैं । अभी रेलवे की बहुत सारी लैंड्स नॉन यूज्ड पड़ी हुई हैं और बहुत सारी जमीन पर अतिक्रमण भी हो रहा है । पूरे भावनगर डिस्ट्रिक्ट में 280 हेक्टेयर, बोटाद में 50 हेक्टेयर और भावनगर शहर के बीचोंबीच रेलवे की 100 हेक्टेयर लैंड ऐसे ही पड़ी हुई है । हमारे भावनगर म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन को लैंड की जरूरत है । एक एनजीओ ने रेलवे की लैंड पर बहुत अच्छा काम करके सिटी के बीच ब्यूटीफिकेशन का कार्य किया है । अभी वहां हजारों की संख्या में लोग उसका यूज वॉक और जॉगर्स पार्क के लिए कर रहे हैं । मैं आपके माध्यम से रेलवे मंत्री जी का ध्यान आकर्षित कराना चाहती हूं और मांग करती हूं कि सिटी के बीचोंबीच जो नॉन यूज्ड लैंड्स पड़ी हुई हैं, उनको भावनगर कार्पोरेशन को दिया जाए, जिससे हमारा कार्पोरेशन ब्यूटीफिकेशन का कार्य कर सके और भावनगर तथा बोटाद जिले की सुन्दरता में बढ़ोतरी हो सके, लोग उनका यूज कर सकें । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : श्री नारणभाई काछड़िया को डॉ. भारतीबेन डी. श्याल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।